M. A. (Final) Examination, 2001

POLITICAL SCIENCE

Paper-IX (B)

Advance India Political thought

Time: 3 Hours]
[Maximum Marks: 100

किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए
सभी के अंक समान है।

1. ''शुक्रनीति सार को लोकप्रशासन पर एक महत्वपूर्ण रचना माना जाता है।'' इस वक्तव्य की परीक्षा कीजिए तथा उनके विचारों की कौटिल्य के विचारों से तुलना कीजिए एवं भेद बताइये। **12+8**

2. ''मनु ने भारतीय राज्यतंत्र की आधारशिला स्थापित की।'' क्या आप इस मूल्यांकन से सहमत है? क्या आप उसे अभी भी प्रासंगिक पाते है? **15+5**

3. मनु तथा कौटिल्य के राजनीतिक विचारों तथ संस्थाओं की तुलना कीजिए तथा भेद स्पष्ट कीजिए। **20**

4. डॉ. कर्णसिंह का यह मत रहा है कि ''अरविन्द भारतीय राष्ट्रवाद के अग्रदूत थे।'' क्या आप इस कथन से सहमत है? कृप्या उनके विचारों की समालोचना प्रस्तुत कीजिए। **15+5**

5. ''बाल गंगाधर तिलक भारतीय अशान्ति के जनक थे।'' इस वक्तव्य की समालोचना प्रस्तुत कीजिए। उनका महात्मा गांधी के चिन्तन पर क्या प्रभाव पड़ा? **12+8**

6. सत्य, अहिंससा तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन पर महात्मा गांधी के विचारों पर एक आलोचनात्मक आलेख लिखिए तथा उनके चिन्तन की पं. जवाहरलाल नेहरू के विश्व दृष्टिकोण से तुलना कीजिये और भेद स्पष्ट कीजिए। **12+8**

7. ''राममनोहर लोहिया अन्तरात्मावादी गांधीवादी एवं मार्क्सवादी थे''। इस व्क्तव्य की परीक्षा कीजिए तथा उनके विचारों की जयप्रकाश नारायण से तुलना कीजिए। **15+5**

8. क्या आप इस मत से सहमत है कि 'हिन्दूत्व' पर सावरकर विचार कट्टरवाद का पथ प्रशस्त करते है? क्या वे अभी भी प्रांसगिक है? **15+5**

9. आध्यात्मिक राष्ट्रवाद की धारणा क्या है? क्या यह धारणा भारत के लिए विशिष्ट है? इसके प्रमुख प्रतिपादक कौन रहे है? अपने उत्तर की आलोचनात्मक बनाइये। **5+5+10**

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

10. अग्रांकित विषयों में से किन्ही **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

अ- एम. एन. रॉय का उग्र मानववाद

ब- लोकतांत्रिक समाजवाद पर नेहरू के विचार

स- हिन्द स्वराज या सत्य के साथ मेरे प्रयोग (आत्मकथा)

द- ग्राम स्वराज

य- स्वदेशी पर तिलक की अवधारणा

र- भारतीय पुनर्जागरण के अग्रदूत - राजा राम माहन रॉय

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com